दक्षिण मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र, नागपुर
SOUTH CENTRAL ZONE CULTURAL CENTRE, NAGPUR
MINISTRY OF CULTURE, GOVT. OF INDIA

मध्य-दक्षिणी वार्तापत्र

{ अगस्त से सितम्बर 2018 }

निदेशक का मनोगत

दक्षिण मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र में संचालक के तौर पर दिनांक 18 अप्रैल 2018 को मैंने कार्यभार संभाला। इसलिए मैं सर्वप्रथम महाराष्ट्र के महामहिम राज्यपाल महोदय, केंद्रीय सांस्कृतिक मंत्री - नई दिल्ली, तथा केंद्र के कार्यक्रम समिति के अध्यक्ष एवं महाराष्ट्र के सांस्कृतिक मंत्री इनका मैं ह्रदय से आभारी हूँ। मुझे अत्यंत हर्ष है की, महानिर्मिति इस संस्था में तकनीकी काम संभालने के पश्चात अब कला क्षेत्र में कार्य करने का मौका मुझे मिला है। इस मौके को भुनाने का मैं पूरा प्रयास करूँगा।इस केंद्र के अधीन इस समय महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, आँध्रप्रदेश, कर्नाटक और तेलंगाना ये ६ राज्य आते हैं, इस कारण काम और आशाएं भी अधिक हैं।

फिलहाल द. म. क्षे. सांस्कृतिक केंद्र में अनुभव सिद्ध कर्मचारी कार्यरत हैं। विगत कई वर्षों से यहाँ सेवारत होने से सबको कामकाज की सम्पूर्ण जानकारी है। मैंने सभी को आवाहन किया है कि, हम सब मिलजुलकर कार्य करेंगे एवं नागपुर के सांस्कृतिक वैभव में विशेष योगदान देंगे।सभी कर्मियों से मिलने वाला प्रतिसाद भी उत्साहवर्धक है।

सभी पारंपारिक एवं अप्रचलित कलाओं का पुनरुत्थान, आदिवासी नृत्य प्रकारों को प्रोत्साहन, महाराष्ट्र के पोवाड़ा - लावणी - भारुड़ - जोगवा - वाघ्या मुरळी - दंढार - झाड़ीपट्टी ऐसे सांस्कृतिक वैभव का दर्शन अन्य राज्यों को करवाना, तथा अन्य राज्यों के लुप्तप्राय हो रहे कलागुणों को महाराष्ट्र में बढ़ावा देने की मेरी मंशा हैं।

इसी प्रकार अभिजात भारतीय संगीत, नाट्यसंगीत, लोककला, चित्रकला, मूर्तिकला - पेंटिंग, छायाचित्रकला, उपशास्त्रीय गीतप्रकार इनका भी जतन होना चाहिए तथा स्थानीय कलाकारों को मंच उपलब्ध किया जाना चाहिए। गडचिरोली, बस्तर जैसे दुर्गम प्रदेश के कलाकारों को न्याय मिलना आवश्यक है। इस उद्देश्य से सबको कार्यवाही करनी चाहिए, ऐसा मेरा कार्यक्रम अधिकारियों को आवाहन है।

कलाक्षेत्र में काम करते हुए केंद्र के प्रत्येक कार्यक्रम में वृद्ध एवं वरिष्ठ कलाकारों का सम्मान, केंद्र की उत्तम वेबसाइट तैयार करना, केंद्र की जानकारी देनेवाली डॉक्यूमेंट्री फिल्म बनाना, केंद्र की पुरानी ईमारत का पुनर्निर्माण करना, फिलहाल केंद्र द्वारा आयोजित सभी लोकप्रिय कार्यक्रमों के स्तर में बेहतरी एवं संख्या में बढ़ोतरी करना तथा अनजान, उपेक्षित कलाकारों को प्रोत्साहन देना ऐसी विविधरूपी कार्यशैली विकसित करने का हमारा प्रयास रहेगा।

उच्च स्तर प्राप्त इस सांस्कृतिक केंद्र को राष्ट्रीय - अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिलें इसे उद्देश्य से हम सभी हमेशा प्रयासरत रहेंगे। राष्ट्रनिर्माण में सांस्कृतिक क्षेत्र का महत्व अनन्यसाधारण है। इसीलिए हम सबको इस सांस्कृतिक केंद्र का अभिन्न अंग होकर राष्ट्रनिर्माण के पवित्र कार्य में अपना योगदान देना हैं।इस हेतु सभी को मेरी ह्रदय से शुभकामनायें।

डॉ. दीपक खिरवड़कर
निदेशक,
दमक्षेसां. केंद्र, नागपुर

द.म.क्षे.सां. केंद्र द्वारा किये गए एवं संयुक्त सहभागिता के आयोजन तथा उनकी झलकियाँ

अगस्त – 2018

1. आनंदम' - मासिक योग शिविर का आयोजन अगस्त एवं सितम्बर माह के दौरान प्रातः 6:30 से 7:30 के बींच दक्षिण मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र मुख्यालय परिसर में किया गया। इस शिविर को नागरिकों द्वारा उत्तम प्रतिसाद मिल रहा है तथा योगकला का जतन भी हो रहा है।

2. द.म.क्षे.सां. केंद्र, नागपुर एवं द.क्षे.सां. केंद्र, तंजावुर के संयुक्त तत्वावधान में 'फेटे-डी-पुद्दुचेरी' कार्यक्रम का आयोजन पुदुच्चेरी, यानम, कारैकर में 14 से 18 अगस्त 2018 के दौरान किया गया। इस कार्यक्रम में श्री. एस. दंडाले एवं समूह द्वारा महाराष्ट्र राज्य का 'लावणी नृत्य' तथा श्री. एस. श्रीवास्तव एवं समूह द्वारा मध्यप्रदेश राज्य का 'बधाई नृत्य' प्रस्तुत किया गया।

3. दिनांक 29 अगस्त 2018 को द.म.क्षे.सां. केंद्र, नागपुर द्वारा स्वरांजली के अंतर्गत सावन के गीतों पर आधारित 'श्रावणात घन निळा' कार्यक्रम साइंटिफिक सभागृह, आठ रास्ता चौक, नागपुर में आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में श्री. विनोद वखरे एवं साथी गायक – वाद्यवृंदों द्वारा पेश किये गये सुरीले नगमों को रसिक-श्रोताओं ने खूब सराहा। इस कार्यक्रम का उद्घाटन पं. मदन पांडे, पं. भाऊराव भट लाडसे इनके करकमलों द्वारा तथा केंद्र निदेशक डॉ. दीपक खिरवड़कर एवं कार्यक्रम समिति सदस्य श्री. कुणाल गडेकर की उपस्थिति में हुआ। इस कार्यक्रम में नागपुर के सुप्रसिद्ध पं. मदन पांडे तथा जेष्ठ गायक पं. भाऊभट लाडसे इनका द.म.क्षे.सां. केंद्र की ओर से शाल, श्रीफल देकर उचित सम्मान किया गया।

दक्षिण मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र, नागपुर
संस्कृती मंत्रालय, भारत सरकार
स्वरांजली कार्यक्रमा अंतर्गत आयोजित
श्रावणात
घन निळा...

सितम्बर – 2018

1. दक्षिण मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र, नागपुर तथा प्रयास बहुउद्देशीय सामाजिक संस्था, नागपुर के संयुक्त तत्वावधान में शनिवार दिनांक 08 सितम्बर 2018 को शंकर नगर स्थित साई सभागृह में वीरांगना झलकारी बाई कि जीवनी पर आधारित महानाट्य 'झलकारी' का मंचन हुआ। रानी लक्ष्मीबाई की प्रमुख महिला सेनापति 'झलकारी बाई' की अनसुनी वीरगाथा को प्रियंका ठाकुर द्वारा निर्देशित इस नाटक में सशक्त रूप से रसिक श्रोताओं के समक्ष रखा। 'झलकारी बाई' के रूप में कु. निकिता ठाकुर एवं रानी झाँसी की भूमिका में कु. प्रियंका राऊत एवं अन्य सभी कलाकारों का अभिनय बेजोड़ था। इस नाटक के भारत के विभिन्न शहरों में अब तक 9 सफल प्रयोग हो चुके हैं; तथा इस नाटक को महाराष्ट्र सरकार द्वारा 5 पुरस्कारों से सम्मानित भी किया जा चुका है। नाटक का लुत्फ़ उठाने श्री. जयप्रकाश गुप्ता, श्रीमती प्रगती पाटिल (सभापति महिला एवं बल विकास, नागपुर मनपा), डॉ. विशु पराशर (निदेशक – आकाशवाणी, नागपुर) द.म.क्षे.सां. केंद्र निदेशक डॉ. दीपक खिरवडकर तथा सभी कार्यक्रम अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

2. गणेश उत्सव के उपलक्ष्य में दक्षिण मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र, नागपुर एवं पश्चिम नागपुर नागरिक संघ, रामनगर इनके संयुक्त तत्वावधान में दिनांक 11 सितम्बर 2018 को शाम 8:30 बजे रामनगर (नागपुर) स्थित राममंदिर में शिवसंस्कृति ढोलपथक के 80 वादक कलाकारों द्वारा मानवंदना का कार्यक्रम आयोजित किया गया। केंद्र निदेशक डॉ. दीपक खिरवडकर इन्होने ढोलपथक के प्रमुख श्री. प्रसाद मांजरखेड़े को सम्मानचिन्ह एवं पुष्पगुच्छ देकर स्वागत किया। इस अवसर पर केंद्र के कार्यक्रम अधिकारी एवं कर्मचारी तथा प. ना. ना. संघ रामनगर, नागपुर के सभी पदाधिकारी और विश्वस्त उपस्थित थे।

3. दक्षिण मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र, नागपुर, मध्यप्रदेश शासन, तथा संस्कृति विभाग - स्वराज संस्थान संचालनालय इनके संयुक्त तत्वावधान में 'राष्ट्रीय समकालीन चित्र कार्यशाला' का आयोजन दिनांक 15 से 21 सितम्बर के दौरान स्वराज वीथी, स्वराज भवन भोपाल में किया गया। यह कार्यशाला स्वतंत्रता संग्राम में महात्मा गाँधी के योगदान पर केन्द्रित थी। इस कार्यशाला में करीब 18 कलाकारों ने अपनी चित्रकला को कैनवास पर उतारा। इस चित्र कार्यशाला को खूब सफलता मिली। कार्यशाला का शुभारंभ संस्कृति विभाग (म. प्र.) के अपर मुख्य सचिव मनोज श्रीवास्तव ने किया। इस अवसर पर कला अकादेमी के निदेशक राहुल रस्तोगी, जनजातीय संग्रहालय के निदेशक अनिल कुमार, उपनिदेशक देवीलाल पाटीदार, द.म.क्षे.सां. केंद्र के कार्यक्रम अधिकारी गोपाल बेतावार एवं वरिष्ठ कलाकारों सहित गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।
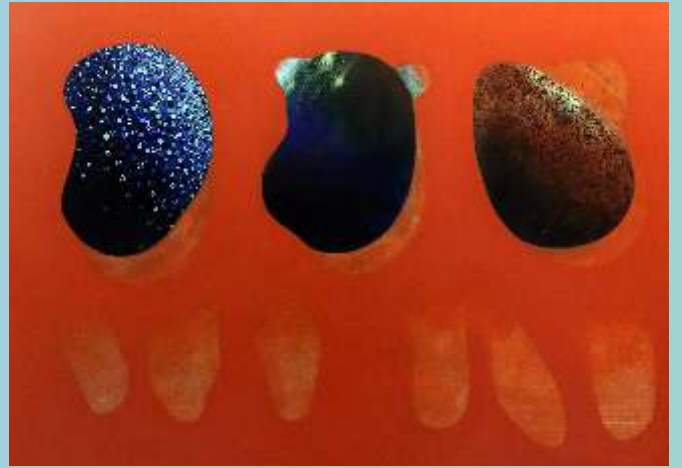
4. दक्षिण मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र, नागपुर एवं कार्यालय – महालेखाकार (लेखा एवं हकदारी – 2) इनके संयुक्त तत्वावधान में 'हिंदी पखवाड़ा' अंतर्गत 17 सितम्बर 2018 को 'हिंदी लोकगीत' कार्यक्रम का आयोजन हुआ। इस कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ की लोक-कलाकार सुशिलाबाई चेलक एवं समुह द्वारा पंडवानी लोकगायन प्रस्तुत किया गया। इसके बाद में नागपुर के अमर कुलकर्णी तथा समूह द्वारा महाराष्ट्र की पोवाडा, लावणी, कोळी नृत्य, भारुड आदि लोककलाओं को प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम में द.म.क्षे.सां. केंद्र निदेशक डॉ. दीपक खिरवडकर एवं कार्यक्रम अधिकारी तथा महालेखाकार श्री. दिनेश पाटील उपस्थित रहे।

5. दक्षिण मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र, नागपुर द्वारा 16 से 30 सितम्बर 2018 के दौरान 'स्वच्छता पखवाडा' मनाया गया। इसके अंतर्गत 18 सितम्बर को केंद्र मुख्यालय परिसर में 'सामूहिक सफाई अभियान' का आयोजन किया गया। इस अभियान में केंद्र के निदेशक डॉ. दीपक खिरवड़कर, उपनिदेशक श्री. मोहन पारखी, सभी कार्यक्रम अधिकारी एवं कर्मचारी सदस्यों ने बड़े उत्साह से हिस्सा लिया। चारों दिशाओं में विभाजित होकर सभी कर्मचारियों ने केंद्र परिसर की स्वच्छता में योगदान दिया। स्वच्छता यह निरंतर चलनेवाली प्रक्रिया है। इसलिए केंद्र के परिसर को हमेशा साफसुथरा तथा स्वच्छ रखा जाता है।

6. दक्षिण मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र, नागपुर द्वारा काटोल स्थित तालुका क्रीडा संकुल, में चल रहे काटोल फेस्टिवल में दिनांक 20 सितम्बर 2018 को लोकगीत एवं नृत्यों पर केन्द्रित कार्यक्रम 'गंध हा मातीचा' का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में गणेशवंदना, कोळीनृत्य, लोकगीत, लावणी, भक्तिगीत, चित्रपटगीत आदि की प्रस्तुतियाँ हुयी। कार्यक्रम का आनंद उठाने पूर्व मंत्री रणजीत देशमुख, केंद्र निदेशक डॉ. दीपक खिरवड़कर, कार्यक्रम अधिकारी एवं कर्मचारी तथा बहुत बड़ी संख्या में जनसमुदाय उपस्थित था।

7. दक्षिण मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र, नागपुर में 14 से 28 सितम्बर 2018 के दौरान 'हिंदी पखवाड़ा' मनाया गया। इस दौरान मुख्यालय परिसर में स्थित ग्रंथालय में निबंध स्पर्धा का आयोजन किया गया। केंद्र के सभी कर्मचारी इस स्पर्धा में सहभागी हुए तथा बेटी बचाओ बेटी पढाओ, पर्यावरण एवं स्वच्छता का महत्त्व इन विषयों पर अपने विचार कागज पर उतारे।

8. दक्षिण मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र, नागपुर एवं कर्नाटक बराहगारारामट्टू कलाविदारा संघ इनके संयुक्त तत्वावधान में दिनांक 25 एवं 26 सितम्बर 2018 को बिदर (कर्नाटक) में 'लोक नृत्य भारत भारती' का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में माथुरी नृत्य (तेलंगाना), बधाई नृत्य (मध्य प्रदेश), ढोल्लू कुनिथा (कर्नाटक) एवं धनगरी गजा नृत्य (महाराष्ट्र) तथा स्थानीय कलाकारों द्वारा नृत्य प्रस्तुतियाँ दी गईं। कार्यक्रम के प्रमुख अतिथि श्री. भगुवंत खुबा (सांसद – बिदर), श्री. रुद्रेश एम. (अतिरिक्त उपायुक्त – बिदर) तथा केंद्र के कार्यक्रम के अधिकारी प्रेमस्वरूप तिवारी उपस्थित थे। कर्नाटक के ग्रामीण क्षेत्र में आयोजित इस कार्यक्रम को स्थानिक कलाकारोंने बहुत सराहा।

9. दक्षिण मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र, नागपुर में 16 से 30 सितम्बर के बींच स्वच्छता पखवाड़ा मनाया गया। इसी दौरान दिनांक 25 से 29 सितम्बर तक केंद्र द्वारा नागपुर शहर के विभिन्न स्कूलों में 'लोक भजन' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में गडचिरोली जिला स्थित नवरगाँव के भजन गायक कलाकारों ने दुर्गानगर मनपा स्कुल, राजेंद्र हायस्कूल-हसनबाग, डॉ. आंबेडकर महाविद्यालय-उंटखाना, सरस्वती हायस्कूल-शंकरनगर, न्यू इंग्लिश हायस्कूल, बै. शेषराव वानखेड़े मनपा स्कुल में कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रसंत तुकडोजी महाराज एवं संत गाडगेबाबा के भजन से प्रबोधन कर छात्रों को स्वच्छता का महत्व विदित किया। इस अवसर पर केंद्र के कर्मचारी उपस्थित रहे।

10. दक्षिण मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र नागपुर , संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग, छतीसगढ़ शासन, माता रूखमणी सेवा संस्थान डिमरापाल एवं स्थानीय जिला प्रशासन जगदलपुर के संयुक्त तत्वावधान में दिनांक 29 से 30 सितम्बर 2018 को "अग्नि महोत्सव" का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रस्तुतियों की शुरुवात श्री. कमारीपति वेरय्या एवं साथियों के 'वीरनाट्यं' (आंध्रप्रदेश) से हुई। उसके पश्चात क्रमशः माड़िया नृत्य, श्री. कपिल दुबे एवं साथियों द्वारा 'बधाई नृत्य'(मध्यप्रदेश), कु. रोहिणी भावे एवं साथीयों के लावणी नृत्य (महाराष्ट्र), एच. दयानंद शर्मा एवं साथियों द्वारा थांगटा नृत्य (मणिपुर), बरेदी नृत्य, कु. रोहिणी भावे एवं साथीयों द्वारा गोंधळ नृत्य (महाराष्ट्र), श्री. फुलसिंग कचलाम एवं साथियों द्वारा 'ककसार नृत्य'(छत्तीसगढ़) तथा कार्यक्रम का समापन गौड़ माड़िया नृत्य से हुआ। सभी नृत्यों का आनंद उपस्थित दर्शकों ने उठाया। इस दौरान कलाकारोंने दर्शकों की खूब तालियाँ बटोरी। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में श्री. केदार कश्यप (मा. मंत्री- आदिम जाती अनुसूचित जाती विकास), विशेष अतिथि के तौर पर डॉ. अय्याज तम्बोली (जिलाधिकारी – बस्तर) और पद्मश्री मा. श्री. धरमपाल सैनी जी (संचालक – रुख्मिणी कन्या आश्रम डिमरापाल), सम्मानित कलाकार श्री. जोगेंद्र महापात्र जोगी, श्री. विपिन बिहारी दास तथा द.म.क्षे.सां. केंद्र के कार्यक्रम अधिकारी शशांक दंडे विशेष रूप से उपस्थित रहे।

प्रवेश निःशुल्क
आप सादर आमंत्रित है

11. दक्षिण मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र, नागपुर एवं जिला प्रशासन वर्धा इनके संयुक्त तत्वावधान में सेवाग्राम (वर्धा) में दिनांक 29 सितम्बर तथा 1 एवं 2 अक्तुबर को महात्मा गाँधी की 150 वीं जयंती के अवसर पर 'कार्यांजली उत्सव' एवं 'लोक आलाप – भारत की लोक गायन परंपरा' का आयोजन किया गया। 29 सितम्बर को कार्यांजली में देवास (म. प्र.) के सुविख्यात गायक पं. भुवनेश कोमकली के 'निर्गुण भजन' ने श्रोताओं को मंत्रमुग्ध किया। 'लोक आलाप' कार्यक्रम में 1 अक्तुबर को 'पोवाडा गायन' (महाराष्ट्र) – श्री. प्रसाद विभुते एवं साथी, 'पंडवानी गायन' (छत्तीसगढ़) – सुश्री. प्रेमशिला वर्मा एवं साथी, 'मांगणियार गायन' (राजस्थान) – उस्ताद गाजी खान एवं साथी तथा 2 अक्तुबर को 'कबीर गायन' (मध्य प्रदेश) – श्री. भैरुसिंग चौहान एवं साथी, 'भारुड गायन' (महाराष्ट्र) – भारुडरत्न श्री. निरंजन भाकरे एवं साथी, 'बुन्देली लोकगीत गायन' (मध्य प्रदेश), 'सप्तखंजिरी वादन' – सत्यपाल महाराज एवं साथीयों द्वारा प्रस्तुतियाँ दी गयी। इसीके साथ महात्मा गाँधी की जीवनी पर केन्द्रित 'पोर्ट्रेट रंगोली प्रदर्शनी' भी नागरिकों के लिए विशेष आकषर्ण रही। इस प्रदर्शनी में गांधीजी के जीवन के विभिन्न पलों को रंगोली के माध्यम से हुबहू उजागर किया गया। कार्यांजली उत्सव का उद्घाटन सांसद श्री. रामदास तडस, विधायक श्री. पंकज भोयर, जिलाधिकारी श्री. शैलेश नवाल, पुलिस अधीक्षक श्री. बसवराज तेली, दक्षिण मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र के निदेशक डॉ. दीपक खिरवड़कर, उपनिदेशक श्री. मोहन पारखी, सेवाग्राम आश्रम प्रतिष्ठान के अध्यक्ष श्री. टी. एन. प्रभु, नगराध्यक्ष श्री. अतुल तराले तथा मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री. अजय गुल्हाने इन मान्यवरों की उपस्थिति में हुआ। तथा 2 अक्तुबर को कार्यांजली उत्सव के अंतर्गत 'लोक आलाप' की प्रस्तुतियों का आनंद उठाने महाराष्ट्र राज्य के वित्तमंत्री मा. श्री. सुधीर मुनगंटीवार, जिलाधिकारी श्री. शैलेश नवाल एवं उपजिलाधिकारी श्री. मनुज जिंदाल विशेष रूप से उपस्थित रहे। संपूर्ण 'कार्यांजली उत्सव एवं लोक आलाप' कार्यक्रम के दौरान द.म.क्षे.सां. केंद्र के कार्यक्रम अधिकारी श्री. दीपक कुलकर्णी एवं केंद्र के अन्य कर्मचारीगण भी सक्रिय रूप से उपस्थित थे।

150
1869-2019
मेरा जीवन ही

'कार्यांजली उत्सव'

◈ संकल्पना एवं मार्गदर्शन ◈

डॉ. दीपक खिरवडकर

(निदेशक, दक्षिण मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र, नागपूर)

◈ लेखन एवं संरचना ◈

श्री. स्वप्नील बाळकृष्ण भोगेकर

(माध्यम एवं प्रसारण विभाग, द.म.क्षे.सां. केंद्र, नागपूर)

◈ फोटोग्राफी ◈

श्री. गजानन शेळके

(माध्यम व प्रसारण विभाग, द.म.क्षे.सां. केंद्र, नागपूर)

◈ मुखपृष्ठ एवं ग्राफ़िक्स डिजाईन ◈

श्री. मुकेश गणोरकर

(शारदा कंसल्टंसी सर्विसेस प्रा. लिमिटेड)